सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 29 सितम्बर, 2025
वर्षः 02, अंकः 256, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सावधान... कहीं आप सिंथेटिक आयरन ऑक्साइड से... » Pg02

» Pg12
मंदिरों के पास गैर हिंदू प्रसाद बेचे तो उसकी पिटाई कर सकते हो करो

सरकार की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के सपने चकनाचूर

यूपीसीडा में रोजमर्रा का कामकाज भगवान भरोसे

1961 में बने विभाग की हालत बद से बदतर, दफ्तर में बड़े अफसरों का जमावड़ा फिर भी कामकाज ठप, 50 फीसदी से ज्यादा पद खाली

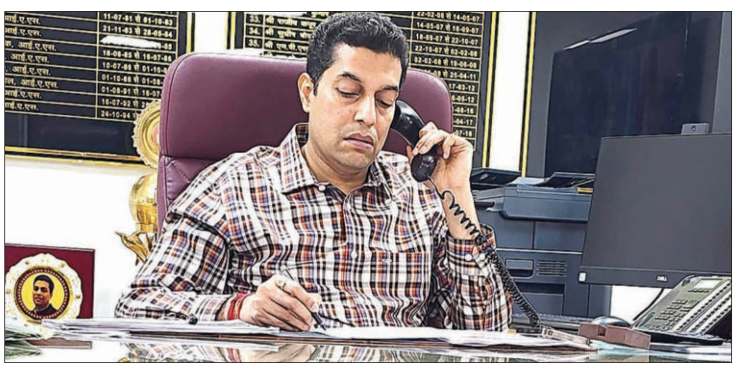

154 से ज्यादा इंडस्ट्रियल एरिया, पर उत्पादन ठप

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का सबसे बड़ा धुरी माने जाने वाले यूपीसीडा (उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण) का मुख्यालय कानपुर में है। इस विभाग की हालत खुद ही औद्योगिक संकट जैसी हो गई है। एक ओर योगी सरकार 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का सपना संजोए हुए है, वहीं इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को जमीन पर उतारने वाला सबसे अहम विभाग स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहा है।

यूपीसीडा के दफ्तरों में अफसर तो खूब हैं, लेकिन कर्मचारी ढूंढे नहीं मिलते। हालत यह है कि यहां 50 प्रतिशत से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। दफ्तर में बस बड़े अफसरों का जमावड़ा है, पर वह भी बिना कार्यबल के सुपर बॉस बनकर बैठे हैं। रोजमर्रा का कामकाज भगवान भरोसे चल रहा है।

अगर यही हाल रहा तो यूपीसीडा का यह ढर्रा न केवल निवेशकों का भरोसा तोड़ेगा, बल्कि सरकार के वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य पर भी सीधा असर डालेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि औद्योगिक विकास महज अफसरों की बैठकों और फाइलों से नहीं होता, इसके लिए जमीनी स्तर पर मजबूत अमला चाहिए। यूपीसीडा की मौजूदा स्थिति सरकार के बड़े विजन के आड़े आ रही है। कुल मिलाकर, यूपीसीडा की बदहाल व्यवस्था, आधे से ज्यादा खाली पद और अफसरशाही रवैया प्रदेश के औद्योगिक भविष्य पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

निवेश लक्ष्य पर संकट

सरकार ने यूपीसीडा को 2 लाख करोड़ रुपये के निवेश को साकार करने का लक्ष्य दिया था। लेकिन हकीकत यह है कि अब तक यह एजेंसी सिर्फ 1,22,548 करोड़ रुपये का निवेश ही धरातल पर उतार सकी है। यानी लक्ष्य और उपलब्धि के बीच 80 हजार करोड़ से ज्यादा का फासला बाकी है।

इन्वेस्ट यूपी, ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी, डिफेंस एक्सपो जैसे आयोजनों में जो बड़े-बड़े एमओयू साइन होते हैं, उन्हें जमीन देने और इंडस्ट्रियल एरिया विकसित करने की जिम्मेदारी यूपीसीडा की ही है। लेकिन स्टाफ की कमी और अफसरों की लापरवाही से कई प्रस्ताव अटके पड़े हैं।

अफसरों का मनमाना रवैया

यूपीसीडा में प्रमुख सचिव स्तर के सीईओ मयूर महेश्वरी सहित 3 आईएएस अधिकारियों के अलावा अन्य कई वरिष्ठ प्रशासनिक अफसरों की भरमार जरूर है, लेकिन निचले स्तर पर कर्मचारियों की भारी कमी से पूरा सिस्टम अस्त-व्यस्त है। नोटिंग से लेकर फाइल मूवमेंट तक हर काम में देरी होती है। उद्योगपतियों को प्लॉट आवंटन व अन्य कार्यों के लिए महीनों चक्कर काटने पड़ते हैं। जमीनी स्तर पर औद्योगिक एरिया विकसित करने की गति बेहद धीमी है। नतीजा यह कि अफसर अपनी कुर्सियों पर तो काबिज हैं, लेकिन उनके आदेशों को लागू करने वाला स्टाफ ही मौजूद नहीं है।

विभाग में आधे से ज्यादा पद खाली

1961 में गठन के समय यूपीसीडा में 564 पद स्वीकृत किए गए थे। लेकिन मौजूदा हालात में 296 पद रिक्त हैं।

- इंजीनियरिंग विभागः 126 में से 75 पद खाली।
- आर्किटेक्ट व प्लानिंगः 26 में से 16 पद खाली।
- एडमिनिस्ट्रेशनः 77 में से 49 पद खाली।
- फाइनेंस और ऑडिटः 54 में से 33 पद खाली।
- लॉ सर्विसः 8 में से 1 पद खाली।
- पर्सनल स्टाफः 45 में से 29 पद।
- मिनिस्टीरियल कैडरः 214 में से 87 पद खाली।
- कंप्यूटरः 2 में से 1 पद खाली।
- टेक्निकल स्टाफः 6 में से 1 पद खाली

इन आंकड़ों से साफ है कि आधा से ज्यादा महकमा केवल नाम के लिए मौजूद है। कामकाज का बोझ कुछ गिने-चुने कर्मचारियों और अफसरों पर है।

तनाव में कर्मचारी, कोई सुनवाई नहीं

केंद्रीयत औद्योगिक विकास प्राधिकरण संघ के प्रांतीय अध्यक्ष स्वराज श्रीवास्तव ने कहा कर्मचारी हितों को लेकर कई बार प्रस्ताव और ज्ञापन अफसरो को दिए गए लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। कर्मचारी नेता अरशद हलीम, देवेंद्र पांडे, तत्कालीन यूनियन अध्यक्ष चंद्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि कर्मचारियों के खाली पदों के चलते हर कर्मचारी पर काम का अधिक दबाव है इससे कई कर्मचारी अवसाद में है। बीते माह एक अभियंता की बांदा में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी लेकिन विभाग ने अनदेखी की।

154 से ज्यादा इंडस्ट्रियल एरिया पर काम

यूपीसीडा अब तक 154 से ज्यादा इंडस्ट्रियल एरिया, टाउनशिप और इंडस्ट्रियल पार्क विकसित कर चुका है। इनमें 26 हजार से ज्यादा यूनिट स्थापित हैं। हालांकि इनमें से कई यूनिट अभी पूरी क्षमता से उत्पादन शुरू नहीं कर पाई हैं। उद्योगपति भी मानते हैं कि प्राधिकरण की धीमी रफ्तार और अफसरशाही रवैया उद्योग विकास की सबसे बड़ी बाधा है।

लखनऊ में लोगों का किया जा रहा था धर्म परिवर्तन, गिरोह का सरगना अरेस्ट

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पुलिस ने धर्मांतरण कराने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। निगोहां थाना पुलिस ने रविवार को इस गिरोह के सरगना 43 वर्षीय मलखान को हुलास खेड़ा मार्ग से धर दबोचा है। पुलिस की जांच में सामने आया कि ये आरोपी इस धंधे में पिछले दो साल से जुड़ा था और अब तक 10 से 12 लोगों का ईसाई धर्म में धर्म परिवर्तन करा चुका है। ये लोगों को प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन कराता था। फिलहाल आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

» चंगाई सभा के बहाने धर्म परिवर्तन का देते थे लालच, आरोपी गिरफ्तार।

दरअसल, पुलिस को इस मामले में शिकायत मिल रही थी। उस शिकायत में बताया गया कि मलखान ने अपने खेत में हालनुमा मकान बनवाकर उसे चर्च के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। यहां वह हर रविवार और गुरुवार को चंगाई सभा आयोजित करता था, जिसमें गरीब और अनुसूचित जाति के महिलाओं बच्चों को बीमारी ठीक करने, चमत्कार और पैसों का लालच देकर इकट्ठा करता था। आरोप है कि इन सभाओं में वह लोगों को बहला-फुसलाकर बपतिस्मा (ईसाई दीक्षा) दिलवाता और धर्मांतरण कराता था।

शिकायत में बताया गया था कि कई लोगों का धर्मान्तरण करा चुका है। इसी क्रम में 28 सितंबर को आरोपी मलखान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने 2016 में हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपना लिया है। इतना ही नहीं, उसने अपने बच्चों, भतीजों और परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी क्रिश्चियन नामों में बदल दिए हैं।

मलखान यीशू चंगाई सभा नाम से वॉट्सऐप ग्रुप चलाता है, जिसमें खासकर अनुसूचित वर्ग के लोगों को जोड़ा गया है। वहीं, पुलिस मलखान के आर्थिक स्रोतों के बारे में भी जांच कर रही है।

बिठूर में मिशन शक्ति बैठक महिलाओं को मिला सुरक्षा का भरोसा

» टिकरा चौकी पर महिला सशक्तिकरण को लेकर एएसपी ने की बैठक

» पुलिस ने कहा किसी भी समस्या पर तुरंत आपके साथ खड़ी होगी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।बिठूर थाना क्षेत्र के टिकरा चौकी में मिशन शक्ति अभियान के पाँचवें चरण के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा पर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ऐडिशनल एसपी ने की, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आई बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

बैठक में महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि अब डरने या चुप रहने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो पुलिस तत्काल उनकी सहायता के लिए मौजूद होगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के बीच सुरक्षा को लेकर भरोसा पैदा करना और उन्हें जागरूक करना था।

महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई और यह भी बताया गया कि किसी भी स्थिति में घबराएं नहीं, तुरंत पुलिस से संपर्क करें। ऐडिशनल एसपी ने कहा कि प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, और इसी क्रम में निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद पुलिस

अधिकारियों ने महिलाओं को यह आश्वासन भी दिया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और किसी भी अपराधी या असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर आए महिलाओं ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की बैठकों से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

बैठक के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और महिलाओं को आत्मरक्षा से जुड़े व्यावहारिक सुझाव दिए। ग्रामीण क्षेत्रों से आई महिलाओं को विशेष रूप से जागरूक किया गया कि वे सामाजिक दबाव में आकर अपराध की शिकायत दर्ज कराने से पीछे न हटें।इस मौके पर बिठूर थाना क्षेत्र और टिकरा चौकी की पूरी पुलिस फोर्स मौजूद रही। बैठक ने यह संदेश दिया कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान दिलाने का एक ठोस संकल्प है।

काकादेव पुलिस के प्रयासों से बिखरते बचा परिवार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

परिवार परामर्श समिति की समझाइश से बिखरने से बचा घर-परिवार

» मजदूर की मेहनत का सम्मान बचाया

» तीन दिन की मजदूरी व सामान वापस पाकर खुश हुआ मिस्त्री

कानपुर।काकादेव थाना पुलिस ने एक ही दिन में दो अलग-अलग मामलों को सुलझाकर मिसाल पेश की। पहला मामला पति-पत्नी के विवाद का था, जहाँ पुलिस और परिवार परामर्श समिति की पहल से बिखरता हुआ परिवार दोबारा जुड़ गया। वहीं दूसरे मामले में एक मिस्त्री को उसकी मेहनत की मजदूरी और सामान वापस दिलाकर न्याय दिलाया गया।

27 सितंबर को काकादेव थाना क्षेत्र की निवासी श्रीमती नीतू वर्मा ने प्रार्थना पत्र दिया था कि उनके पति सुमित कुमार आए दिन मारपीट करते हैं और खाने-पीने तक की सुविधा नहीं देते। मामला गंभीर था क्योंकि नीतू पिछले छह महीने से मायके में रह रही थीं। डीसीपी सेंट्रल जोन, एडीसीपी सेंट्रल, एसीपी स्वरूप नगर और प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार शर्मा के निर्देशन पर परिवार परामर्श समिति की टीम ने पति-पत्नी दोनों को तलब किया।

काफी देर समझाइश और काउंसलिंग के बाद आखिरकार दोनों पक्ष पुरानी बातें भुलाकर फिर से एक साथ रहने को राजी हो गए। यह समझौता थाना काकादेव का एक महीने के भीतर का दसवां समाधान है।

समिति प्रभारी शिवकरन वर्मा पहले भी कई जिलों में दर्जनों पारिवारिक विवाद सुलझा चुके हैं। उनका

कहना है कि प्रयास यही है कि पति-पत्नी के विवाद न्यायालय तक न पहुँचें और घर-परिवार सुरक्षित रहें।

दूसरी ओर 28 सितंबर को काकादेव थाने में रावतपुर गांव निवासी राम सिंह मिस्त्री ने शिकायत दर्ज कराई कि वह विपक्षी एजाज के घर में तीन दिन से मकान निर्माण का काम कर रहे थे, लेकिन मजदूरी नहीं दी गई और गुस्से में उनका सामान भी रोक लिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विपक्षी को थाने बुलाया और मौके पर ही पैसा तथा सामान वापस दिलाया। राहत पाकर मिस्त्री बेहद खुश हुए और काकादेव पुलिस की सराहना करते हुए घर लौट गए।इन दोनों घटनाओं ने यह साबित कर दिया कि काकादेव पुलिस न केवल परिवारों को टूटने से बचा रही है, बल्कि आम नागरिकों की मेहनत का हक भी सुरक्षित कर रही है।

सावधान; कहीं आप सिंथेटिक आयरन ऑक्साइड से रंगा आलू तो नहीं खा रहे !

» डीएम की नाराजगी के बाद जागा विभाग

» कार्रवाई चलती रहेगी: संजय प्रताप सिंह

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

खाद्य सुरक्षा विभाग को निरीक्षण में मिला 11200 किलो आलू, सीज

कानपुर। अगर आप व्रत में आलू पर निर्भर हैं तो थोड़ा सावधान हो जाएं। मंडी में रंगे आलू की बिक्री काफी हो रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग को निरीक्षण में सिंथेटिक आयरन ऑक्साइड के काफी खाली पैकेट मिले हैं। इस ऑक्साइड का इस्तेमाल आलू के लाल किए जाने को किया जा रहा है।

टीमों ने बिल्हौर के बीबीपुर और के सिंघौली में करीब 224 आलू की बोरी 11200 किलो सीज किया साथ ही दस किलो रंगीन पाउडर मिला। रंगीन पाउडर का नमूना जांच को लिया गया। एक लाख रूपये का राइस ब्रान ऑयल को टीम ने सीज किया है। वहीं टीम ने विभिन्न जगहों से 26 नमूने लिए है, जिन्हें टेस्ट को भेजा जाएगा। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने बताया कि मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नवरात्र के छठे दिन जागा खाद्य सुरक्षा विभाग

डीएम की फटकार मीटिंग के दूसरे दिन ही खाद्य सुरक्षा विभाग में तेजी आ गई। नवरात्र के छठे दिन जागे विभाग को कैमिकल से रंगे आलू का जखीरा मिला। बीबीपुर बिल्हौर पहुंची टीम ने निरीक्षण किया तो यहां रसायनयुक्त रंगीन आलू बेचे जाने को तैयार किए जाते पकडा। मौके से 130 बोरी 6500 किलो, अनुमानित लागत रु. 78,000 आलू सीज किए गए तथा 10 किलो रंगीन पाउडर का नमूना जांच को लिया गया। बिल्हौर के सिंघौली में संदेह के आधार पर 94 पैकेट (प्रति पैकेट 50 किलो) रंगीन आलू अनुमानित मूल्य रु.

23,500 सीज किए गए। बिल्हौर बाजार में 894 लीटर राइस ब्रान ऑयल अनुमानित मूल्य रु. 1,04,508 सीज किया गया। सहायक आयुक्त खाद्य कानपुर मंडल डा शशी पाण्डेय का निर्देशन रहा एवं कोल्ड स्टोरेज पर वह स्वयं भी उपस्थित रहीं

कुल 26 खाद्य नमूने जांच को लिया

विभिन्न स्थलों से कुल 26 खाद्य नमूने जांच को लिया गया है। इसमें राइस ब्रान ऑयल, गाय का घी, बेसन, काजू, सरसों का तेल, ब्लैक रेसीन, अरेबियन डेट्स, रॉ पीनट्स, साबूदाना, मूंगफली दाना, पनीर, कूट्टू आटा व ग्रीन रेसीन, भैंस का दूध समेत कई नमूने लिए हैं।

जमीन का खेल करने वाले कानूनगो आलोक दुबे रिवर्ट

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।जमीन के विवादित सौदों और अभिलेखीय हेरफेर में दोषी पाए गए राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) आलोक दुबे पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सख्त कार्रवाई की है। विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर आलोक दुबे को पदोन्नति-पूर्व मूल पद लेखपाल पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है। डीएम ने उनकी सेवा पुस्तिका में परिनिन्दा प्रविष्टि दर्ज करने का भी आदेश दिया है।

डीएम ने कहा कि राजस्व अभिलेखों की शुचिता और जन–विश्वास से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जमीन का खेल करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

ग्राम कला का पुरवा रामपुर भीमसेन निवासी संदीप सिंह ने 2 दिसंबर 2024 को जिलाधिकारी से शिकायत की थी। आरोप लगाया गया कि सिंहपुर कठार की गाटा संख्या 207 पर कोर्ट में मुकदमा लंबित रहने के बावजूद विपक्षियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज बनाकर बैनामा करा दिया गया। बाद में यह जमीन ऋह्लत्र इंफ्रा नामक निजी कंपनी को बेच दी गई।

इसी तरह रामपुर भीमसेन की गाटा संख्या 895 पर नामांतरणवाद विचाराधीन रहते हुए भी काननूगो आलोक दुबे ने मिलीभगत कर 11 मार्च 2024 को वरासत आदेश जारी

» कानूनगो से डिमोट कर बनाया गया लेखपाल

» तहसीलों में भ्रष्टाचार को लेकर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह की सख्त कार्रवाई

कराया और उसी दिन बैनामा भी करा लिया।

डीएम ने आदेश में कहा कि एक ही दिन में वरासत और बैनामा कराना और फिर थोड़े समय में भूमि को आगे बेच देना फ्जन–विश्वास को ठेस पहुँचाने और सरकारी अभिलेखों की शुचिता को धूमिल करने वाला कृत्य है। इसी आधार पर आलोक दुबे को काननूगो पद से हटाकर लेखपाल बनाया गया है।

जांच में सिद्ध हुए आरोप तो हुआ एक्शन

17 फरवरी 2025 को आलोक दुबे को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी। चार आरोपों का आरोपपत्र जारी होने के बाद नोटिस, जवाब, साक्ष्य और व्यक्तिगत सुनवाई की विस्तृत प्रक्रिया चली।

जांच अधिकारी ने सभी आरोप—विवादित भूमि का अनुचित बैनामा, मिलीभगत, पद का दुरुपयोग, निरंतर अवैध भूमि क्रय–विक्रय और आचरण नियमों का उल्लंघन—सिद्ध पाए। सहायक महानिरीक्षक निबंधन की 20 जून 2025 की रिपोर्ट में उनकी ओर से 41 संपत्तियों की संदिग्ध खरीद–फरोख्त का भी खुलासा हुआ।

25 मार्च 2025 को इस प्रकरण में थाना कोतवाली, कानपुर नगर में एफआईआर दर्ज की गई थी।

अन्य कर्मचारी पर भी गिरेगी गाज

जांच समिति (एडीएम न्यायिक, एसडीएम सदर और एसीपी कोतवाली) की संयुक्त रिपोर्ट में क्षेत्रीय लेखपाल अरुणा द्विवेदी की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई एसडीएम सदर स्तर पर विचाराधीन है।

ग्रीन पार्क को मिली तीन रणजी मैचों की मेजबानी

» 15 अक्टूबर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ होगी यूपी की शुरुआत

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भारत–ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज की मेजबानी के बाद ग्रीन पार्क स्टेडियम अब रणजी ट्रॉफी का केंद्र बनेगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट टीम इस सीजन अपने तीन घरेलू मुकाबले इसी ऐतिहासिक मैदान पर खेलेगी। देश की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 15 अक्टूबर से हो रही है। इसी दिन यूपी टीम अपने अभियान का आगाज आंध्र प्रदेश के खिलाफ ग्रीन पार्क पर करेगी।इसके बाद 25 अक्टूबर को उड़ीसा और 8 नवम्बर को नागालैंड की टीम से यहीं भिड़ेगी। पिछले सीजन में नॉक आउट चरण से पहले बाहर हुई यूपी टीम इस बार नए कोच के साथ उतरेगी। पूर्व भारतीय स्पिनर सुनील जोशी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यूपीसीए ने टीम को नई दिशा देने की तैयारी कर ली है। अधिकारियों का मानना है कि घरेलू मैच ग्रीन पार्क पर होने से खिलाड़ियों को परिचित माहौल का फायदा मिलेगा, क्योंकि यही टीम का नियमित अभ्यास स्थल भी है। यूपी ने वर्ष 2006 में रणजी ट्रॉफी जीती थी। यूपीसीए टूर्नामेंट डायरेक्टर डा. संजय कपूर ने लगातार तीन मैचों की मेजबानी दिए जाने पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का आभार जताया।

अरौल थाने के दरोगा जी की हरकतों से दुकानदार परेशान

गुमटी वाले का आरोप- साहब को चाहिए गर्म बोतल!

» पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर) अरौल थाना क्षेत्र के एक गुमटी वाला दुकानदार दरोगा जी की कथित हरकतों से परेशान है। दुकानदार ने नाम ना छापने की शर्त पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। दुकानदार ने बताया कि वह अरौल थाने के एक दरोगा के लगातार उत्पीड़न से परेशान है। दुकानदार के अनुसार, साहब को हर सप्ताह रात वाली गर्म बोतल चाहिए।

फोटो : काल्पनिक

दरअसल, एक दिन जब दुकान में सन्नाटा था, साहब आए और अपनी डिमांड करने लगे। मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज की और मुझे धक्का भी दिया। जब मैंने विरोध किया तो मुझे जबरन धारा 151 के तहत बंद कर दिया गया। और थाने मे कहा कि यह अक्सर ग्राहकों के साथ मारपीट करता है। आरोप है कि साहब ने धमकी दी कि चरस के मामले में फंसा देंगे।

उक्त दुकानदार ने प्रधान से भी कहा तो उन्होंने कहा कि पुलिस से ज्यादा उलझो न करो। अब साहब आते हैं और चाय-मसाला के पैसे भी नहीं देते। दुकानदार का यह बयान न केवल उनके निजी जीवन पर असर डाल रहा है, बल्कि इलाके में पुलिस की साख पर भी सवाल खड़े कर रहा है। अरौल थाने के इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव को अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग के लिए जाना जाता है, क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग देकर उन्होंने जनता का भी दिल जीता है। लेकिन उनके अधीनस्थ एक दरोगा की हरकतें उनके नेतृत्व और खाकी की इज्जत को भी चुनौती दे रही हैं। यह मामला तब सामने आया है, जब पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की ताबड़तोड़ कार्रवाई का दौर चल रहा है। उनकी कलम से कोई नही बचा चाहे अपराध से लिप्त पत्रकार हो, वकील हो, व्यापारी हो नेता हो या फिर खाकी वर्दी वाला ही क्यों न हो। अब यह देखना बाकी है कि पुलिस पर भरोसा खो चुके इस दुकानदार को न्याय मिल पाएगा या नहीं।

बेटी से मिलते ही फफक पड़ी मां, कहा- साहब जी शुक्रिया!

मिशन शक्ति 5.0 के तहत ऑपरेशन त्रिनेत्र

» सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र से मिली सफलता।

» बरामदगी में चौकी प्रभारी और टीम की सराहनीय भूमिका।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। ग्राम बिरिहाना निवासी रंजना पत्नी पंकज कुमार ने थाना बिल्हौर में सूचना दी कि उनकी 14 वर्षीय बेटी नव्या (मूकबधिर) सुबह करीब 10 बजे घर से अचानक लापता हो गई। परिजन और आसपास के रिश्तेदारों ने काफी खोजबीन की, लेकिन किसी तरह की सफलता नहीं मिली।

सूचना मिलते ही बिल्हौर पुलिस ने तुरंत मिशन शक्ति 5.0 के तहत ऑपरेशन त्रिनेत्र शुरू किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और स्थानीय जांच-पड़ताल के जरिए संदिग्ध स्थानों की पहचान की। इसके परिणामस्वरूप किशोरी को रसूलाबाद (कानपुर देहात) से महज दो घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले किया गया।

बरामदगी के बाद जब नव्या अपनी मां से मिली, तो मां भावुक होकर फफक पड़ीं और कहा, ÷साहब जी, आपको दिल से शुक्रिया।÷ इस त्वरित कार्रवाई ने परिजनों को बड़ी राहत दी और पुलिस की मानवता और तत्परता की सराहना की। बरामदगी में चौकी प्रभारी प्रेमवीर सिंह, यादवेंद्र यादव और रितु की सक्रिय भूमिका रही। उन्होंने न केवल मिशन को सफल बनाया बल्कि यह भी दिखाया कि पुलिस संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक सुरक्षा में तत्पर है।

बिल्हौर पुलिस की यह सफलता स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा बन गई है और इसे पुलिस की तेज़ और संगठित कार्रवाई का उदाहरण बताया जा रहा है। परिवार और समाज ने पुलिस की इस मानवतावादी भूमिका की खुले दिल से सराहना की।

टीचर्स सेल्फ केयर टीम का चार राज्यों में विस्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर । टीचर्स सेल्फ केयर टीम उत्तर प्रदेश (टीएससीटी) ने अपनी कार्यप्रणाली का विस्तार करते हुए अब चार अन्य राज्यों हरियाणा दिल्ली मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में भी टीम का गठन कर दिया है।

कानपुर मंडल संयोजक जितेंद्र यादव ने बताया कि संगठन के संस्थापक विवेकानंद आर्या ने इन राज्यों में टीएससीटी की शुरुआत की है। साथ ही कानपुर नगर के जिला संयोजक सुनील कुमार वर्मा को अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए हरियाणा राज्य का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

सुनील कुमार वर्मा को हरियाणा राज्य का सह प्रभारी बनाए जाने पर जिला मीडिया प्रभारी अनूप कुमार के साथ जिला एवं ब्लॉक टीम ने सुनील कुमार वर्मा को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मंडल संयोजक जितेंद्र यादव जिला मीडिया प्रभारी अनूप कुमार जिला सह संयोजक संगीता कटियार अंजू गुप्ता बिल्हौर ब्लॉक संयोजक आलोक कटियार और बिधनू ब्लॉक संयोजक विशाल वर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जिला संयोजक सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि टीचर्स सेल्फ केयर टीम अब तक 416 दिवंगत शिक्षकों और सदस्यों के परिवारों को लगभग 177 करोड़ 72 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करा चुकी है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत परिवार पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

शादी के बाद ससुरालियों ने की पांच लाख की डिमांड, अतिरिक्त दहेज मांग, जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के गोगुमऊ गांव में एक युवती ने अपनी शादी के बाद लगातार दहेज उत्पीड़न का शिकार होने की शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी पूर्व ब्लॉक प्रमुख उर्मिला दिवाकर के पुत्र विमल दिवाकर से हुई थी। शादी में उसके पिता ने लाखों रुपये दहेज के रूप में दिए थे।

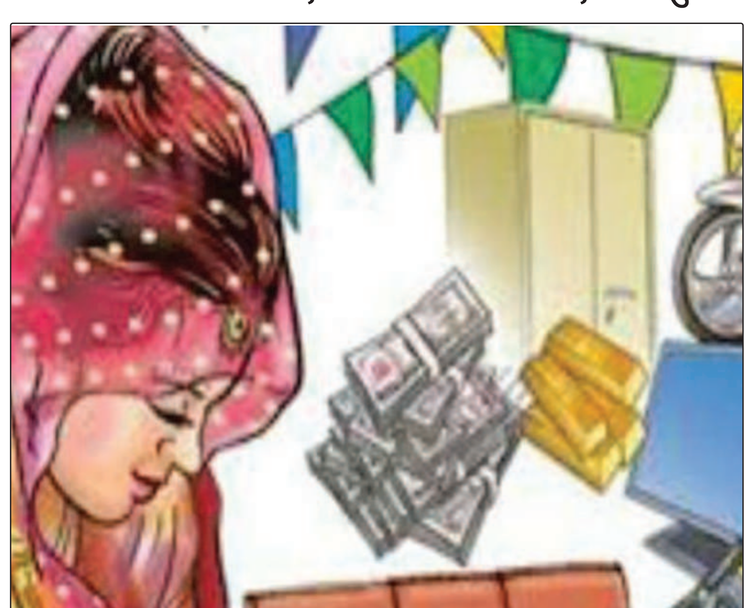

पीड़िता के अनुसार, शादी के कुछ समय बाद से ही उसकी सास उर्मिला दिवाकर, ससुर ज्ञान लाल दिवाकर, पति विमल कुमार और देवर केशव आनंद पांच लाख रुपए अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए रोजाना गाली-गलौज और मारपीट करने लगे। कई बार शिकायत के बावजूद भी स्थिति नहीं सुधरी।

पीड़िता ने बताया कि 5 जुलाई 2025 को शाम 7 बजे उसके पति-सास-ससुर और देवर ने उसे जमकर पीटा और घर से निकाल दिया। इसके बाद भी पीड़िता को कमरे में बंद कर मारपीटा गया। पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ चौबेपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन सास के प्रभावशाली होने के कारण पहले पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया।

पीड़िता ने उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चौबेपुर पुलिस ने अब पूर्व ब्लॉक प्रमुख उर्मिला दिवाकर, उनके पति ज्ञान लाल दिवाकर, पुत्र विमल कुमार और देवर केशव आनंद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सम्पादकीय

किशोरों के भटकाव की गंभीर चुनौती

कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना उद्वेलित करने वाली है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली घटना है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती आक्रामकता और संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। बताते हैं हत्या में शामिल युवक गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। इस बाबत प्रकाशित खबरों के अनुसार मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह हृदयविदारक है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है।

उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख पैदा हुआ है। बहरहाल, किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारी परिवार संस्था बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रही है ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? उन्हें क्यों लगता है कि किसी लड़की को छेड़ा जाना चाहिए? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष तिरोहित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला क्रूर ढंग से गला काटना हो सकता है?दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। आम तौर पर फिल्मों में हीरो हिरोइन से छेड़खानी करता और उसे परेशान करता नजर आता था। बाद में फिल्म की पटकथा में नायिका उसी हीरो के आगे समर्पण करती नजर आती थी। फिर फिल्म की पटकथा इस छेड़खानी को प्रेम कथा और विवाह में तब्दील कर देती है। कालांतर समाज के किशोरवय और युवाओं में यह संदेश गया कि निजी जीवन में यही छेड़खानी उनकी प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। फिर बची-खुची कसर हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीन व क्रूर-कथाओं ने पूरी कर दी। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता भर दी कि समाज में इसे न्यू नॉर्मल मानने की सोच पैदा हुई। कहीं न कहीं पारिवारिक संस्था व शिक्षा व्यवस्था इस सोच को खारिज करने में चूकी है। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। कोरोना संकट के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं की अपरिहार्यता ने विद्यार्थियों को मोबाइल उपयोग की स्वच्छंदता दी। आज उन्हें प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं।

परमाणु बम का हौवा बरकरार रहने की आशंका

मनोज जोशी

हाल ही में भारत-पाकिस्तान टकराव के दौरान उभरे हालात के मद्देनजर भारतीय उपमहाद्वीप में परमाणु युद्ध के खतरे को हलके में लेना दुस्साहस ही कहा जाएगा। पाकिस्तान की परमाणु धमकी जगजाहिर है। वहीं भारत का नया दावा भी अहम है कि वह परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। दरअसल, बड़ा खतरा पूर्ण युद्ध का है। शेक्सपियर के मशहूर नाटक मैकबेथ के चरित्र बैंको के भूत की तरह, परमाणु हथियारों का साया हाल के दशकों में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षों पर रह-रहकर मंडराता रहा है। नकारने के बावजूद, ऑपरेशन सिंदूर पर भी यह मंडराता रहा।

पिछले इतिहास को देखने पर, वास्तविक परमाणु युद्ध का जोखिम हालांकि बहुत कम, लगभग नगण्य लगता रहा है। लेकिन जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई हैं, कई राहें दिखाई देनी लगी हैं,जो भयावह अंजाम की ओर ले जा सकती हैं। इन संभावनाओं की गंभीरता ने ही अमेरिका को इस युद्ध से दूरी बनाए रखने के अपने पहले रुख को तजकर, त्वरित सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने और दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम करवाने में मदद करने को सक्रिय किया। भारत का कहना है कि यह युद्ध विराम द्विपक्षीय रहा, लेकिन इतना तो स्पष्ट है कि यह 'अंकल सैम' (ट्रंप) की मध्यस्थता से बना है, जो अब हमें इसके बारे में बार-बार याद दिलाते नहीं थक रहे।

बीती 12 मई को कतर की अपनी यात्रा की पूर्व संध्या पर व्हाइट हाउस में बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा ः 'मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम करवाने में मदद की, मुझे लगता है यह स्थायी होगा, इस तरह बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों से लैस इन दो मुल्कों के बीच खतरनाक संघर्ष समाप्त हो गया'। इससे एक दिन पहले, उन्होंने 'मौजूदा आक्रामकता' को खत्म करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी नेतृत्व की प्रशंसा की थी और कहा कि 'लाखों भले और निर्दोष लोग अन्यथा मारे जाते'।टकराव बनने से पहले ही, पाकिस्तान ने परमाणु घुड़की देनी शुरू कर दी थी। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि पानी को रोकने या मोड़ने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और इसका जवाब राष्ट्रीय शक्ति और उपलब्ध तमाम संसाधन का उपयोग करके दिया जाएगा'। यहां पर 'तमाम संसाधन' का अभिप्राय स्पष्ट रूप से परमाणु हथियार

था। फिर, जैसे-जैसे संकट बढ़ता गया, पाकिस्तान और ज्यादा परमाणु घुड़कियां देने लगा। बता दें कि 10 मई को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक बुलाई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा परमाणु हथियारों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। बाद में पाकिस्तान आसानी से इससे मुकर गया। परमाणु हथियारों से संबंधित घटनाक्रमों को लेकर बहुत सी भ्रामक सूचनाएं फैलीं। ऐसी ही एक खबर में बताया गया कि किराना हिल्स पर भारतीय हमले के तुरंत बाद, जहां कथित तौर पर कुछ पाकिस्तानी परमाणु हथियार रखे हुए हैं, एक बीचक्राफ्ट सुपर किंग एयर 350 विमान सरगोधा में उतरा है – जो कथित तौर पर अमेरिकी ऊर्जा विभाग का है। और इसकी उपस्थिति का परमाणु एंगल से कुछ लेना-देना नहीं था।भारत ने इस बात से इनकार किया कि उसने सरगोधा के नज़दीक मुशाफ एयरबेस से लगभग 15 किमी. दूर स्थित किराना हिल्स पर कोई हमला किया है। लेकिन हां, किराना हिल्स के मुहाने पर स्थित दो सैन्य ठिकानों पर भारतीय हमले के सबूत अवश्य हैं। यहां स्पष्ट करना होगा कि रावलपिंडी के पास नूर खान वायुसेना अड्डा, कराची के पास मलीर और किराना हिल्स पर भारतीय हमलों का मकसद कुछ ऐसा ही संदेश देना था। क्योंकि इन जगहों पर या इनके आसपास ही कहीं पाकिस्तान के परमाणु हथियार रखे होने के कयास हैं।यह 12 मई को और भी स्पष्ट हो गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि 'भारत परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक हमला करेगा'।यह एक नया सैद्धांतिक रुख है, क्योंकि पिछले 40 वर्षों में भारत ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद का सामना किया है, यह परमाणु कारक ही था जिसने भारत के हाथ बांध रखे थे।

फिर देश की जीवन रेखा बन जाएगा जल संचयन

वर्षा जल संरक्षण अभियान

दीपक कुमार शर्मा

वर्षा जल संचयन एक पारंपरिक लेकिन अत्यंत प्रभावी तकनीक है, जो वर्षा के जल को इकट्ठा कर विभिन्न उपयोगों हेतु संग्रहीत करती है। भारत में बढ़ते जल संकट और शहरीकरण के चलते इसकी महत्ता और आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यह एक पर्यावरण-संवेदनशील, कम लागत और टिकाऊ समाधान प्रदान करता है। भारत में वर्षा जल संचयन बाजार का मूल्य वर्ष 2024 में लगभग 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। इसके 2030 तक 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा के जल को इकट्ठा करके, संग्रहीत कर विभिन्न उपयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। जिससे यह जल व्यर्थ बहने के बजाय एक उपयोगी संसाधन बन जाता है।

एक टिकाऊ तकनीक छतों, ज़मीन की सतहों अथवा अन्य संग्रहण क्षेत्रों से वर्षा जल को पाइपों या नालियों के माध्यम से टंकियों, हौदों अथवा जलाशयों में पहुंचाकर संचयित करती है। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसे आज जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पुनः अपनाया जा रहा है।संगृहीत वर्षा जल का उपयोग सिंचाई, घरेलू जरूरतों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जा सकता है। यह न केवल नगरपालिका जल आपूर्ति पर निर्भरता को घटाता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और शहरी बाढ़ को कम करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और अनिश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों में एक स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराता है।

यह पर्यावरण-मित्र विधि विशेष रूप

से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अत्यंत लाभदायक है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है। यह एक कम लागत और सरल पद्धति है, जिसे व्यक्तिगत आवासों से लेकर सामुदायिक परियोजनाओं तक विभिन्न स्तरों पर अपनाया जा सकता है। यदि इसे शहरी और ग्रामीण योजना में समाहित किया जाए तो जल संकट का समाधान संभव है और टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है।केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जल प्रबंधन को लेकर सख्त नीतियां लागू की गई हैं। जैसे कि 'अमृत मिशन' में वर्षा जल संचयन को शहरी जल संकट के समाधान का अभिन्न अंग बनाया गया है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने सभी भवनों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया है, जो अब देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु ने यह पहल 2001 में शुरू की गई थी। इसके अलावा, स्थानीय निकाय करों में छूट और वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं जिससे इन प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलता है। 2023 में केंद्रीय भूजल बोर्ड के अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में निगरानी किए गए 72 फीसदी कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे अनियमित वर्षा और सूखे की घटनाओं ने वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और मीडिया द्वारा चलाए जा रही जागरूकता अभियानों ने लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है।भारत का शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है—2021 में लगभग 500 मिलियन की शहरी आबादी 2031 तक 600 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। शहरी क्षेत्र जहां कंक्रीट का वर्चस्व होता है, वहां वर्षा जल का प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण बहुत कम हो पाता है। ऐसी स्थिति में वर्षा जल संचयन एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

दरअसल, इस अभियान की एक प्रमुख चुनौती जनसामान्य में तकनीकी जानकारी और जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। अनेक लोग इसे जटिल और महंगा मानते हैं, जिससे इसका व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन प्रभावित होता है। तकनीकी विशेषज्ञता की कमी, गलत डिज़ाइन और रखरखाव में लापरवाही के कारण कई प्रणालियां विफल हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाधाएं भी हैं।

भगत सिंह जयंती पर कानपुर मेट्रो में गूंजे जयघोष

» फिजा अध्यक्ष शांतनु चैतन्य ने कहा– हमारा उद्देश्य है कि लोग देश के बलिदानियों को जानें और उनके आदर्शों को अपनाएं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर कानपुर मेट्रो में अद्भुत नजारा देखने को मिला। फेडरेशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट एंड एक्टिविस्ट (फिजा) और गोल्डन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रभक्त राइड आयोजित की गई। इसमें यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सहयोग दिया।

मोतीझील से आईआईटी और फिर वापसी तक मेट्रो डिब्बों में भगत सिंह अमर रहें और भारत माता की जय के नारे गूंजते रहे। इस दौरान यात्रियों के लिए भगत सिंह से जुड़े चित्रों और पत्रों की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने देशभक्ति की भावना को और प्रबल कर दिया।

फिजा अध्यक्ष शांतनु चैतन्य ने कहा– हमारा उद्देश्य है कि लोग देश के बलिदानियों को जानें और उनके आदर्शों को अपनाएं। इस तरह के आयोजन लगातार होते रहेंगे।

गोल्डन क्लब संस्थापक अनुज निगम ने कहा कि भगत सिंह की

जयंती पर हर साल कार्यक्रम आयोजित कर हम नई पीढ़ी को क्रांतिकारियों से जोड़ने का प्रयास करते हैं।कार्यक्रम में भारतेंदु पुरी, डॉ. नवीन वर्मा, संदेश तिवारी, अरुण कनौजिया, डीके सिंह, प्रखर श्रीवास्तव, प्रदीप निगम, नीरज सैनी समेत कई समाजसेवी और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। यह यात्रा न सिर्फ श्रद्धांजलि बनी, बल्कि एक संदेश भी—कि देश के लिए बलिदान देने

वाले नायकों को याद रखना ही सच्चा राष्ट्रधर्म है।

नानाराव पार्क में श्री श्याम महोत्सव स्थल पर होगा दुर्गा पूजा

29 सितम्बर से दुर्गा पूजन उत्सव का होने जा रहा शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर में इस वर्ष श्री माल रोड सार्वजनिक दुर्गा पूजा उत्सव का आयोजन नानाराव पार्क स्थित श्री श्याम महोत्सव स्थल पर होने जा रहा है। दुर्गा पूजा उत्सव 29 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।श्री दुर्गा पूजा की परंपरा वर्ष 1988 में पाँच मित्रों द्वारा संतोषी माता मंदिर, माल रोड आरबीआई के सामने से शुरू हुई थी। वहाँ यह पूजा लगातार 25 वर्षों तक आयोजित हुई। स्थान की कमी के चलते वर्ष 2013 से इसका आयोजन हीरा पन्ना माल रोड स्थित मिर्जा डेकोरेटर्स गेस्ट हाउस में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ 12 वर्षों तक भव्य आयोजन सफलतापूर्वक होता रहा।

इस वर्ष पहली बार यह आयोजन नवनिर्मित श्री श्याम महोत्सव स्थल, नानाराव पार्क, फूलबाग में होने जा रहा है। नगर निगम द्वारा निर्मित यह स्थल शहर के बीचोंबीच स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत सुविधाजनक रहेगा।इस दुर्गा पूजा उत्सव की विशेषता यह है कि सम्पूर्ण पूजन–अर्चन एवं भोग बंगाली ब्राह्मणों एवं रसोइयों द्वारा कराया जाएगा। साथ ही, सभी वर्गों के सहयोग से इसे भव्य स्वरूप देने की तैयारी की गई है।आयोजन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में सुरेन्द्र गुप्ता, राजन ठाकुर, मनीष, मयंक, प्रियम, संजीत, देवाशीष, तरुण, आशुतोष, शुभाशीष राय, निशान्त शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस वर्ष का दुर्गा पूजा उत्सव शहरवासियों के लिए नए स्थल पर नई ऊर्जा और भव्यता का प्रतीक बनने जा रहा है।

बरौनी पनकी पेट्रोल लाइन की सुरक्षा से बड़ा खिलवाड़

कानपुर महानगर के यशोदा नगर सैनिक चौराहे के पास बन गया फूड हब

» जिम्मेदार ले रहे पत्राचार की आड़

» नौबस्ता थाने के आसपास भी सघन अतिक्रमण,

» नौबस्ता और बर्रा क्षेत्र में पेट्रोल लाइन ही नहीं रोड तक दुकानदारों की अराजकता

» आरओबी पर गैस भट्ठी के उपयोग से जिम्मेदार चिंतित तो हैं लेकिन कार्यवाही पत्र व्यवहार तक सीमित

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर। बरौनी कानपुर पेट्रोल लाइन पर कानपुर के कुछ क्षेत्रों में अतिक्रमण से पेट्रोल पाइपलाइन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। नियमों के विपरीत पेट्रोल पाइपलाइन क्षेत्र का सुपरविजन कर रहे जमीनी कर्मचारियों की अनदेखी से पेट्रोल पाइपलाइन की भूमि पर अवैध कब्जेदारों की भरमार हो गई है। स्थिति यह है कि यशोदा नगर के निकट सैनिक चौराहे के आसपास तो मानो पूरा फूड हब ही बन गया है? जबकि पेट्रोल लाइन के लिए सबसे बड़ा खतरा इस भूमि पर स्टोव,गैस, भट्ठी आदि के उपयोग से ही उत्पन्न हो सकता है?। नौबस्ता थाने के निकट स्थाई अतिक्रमण के रूप में एक कपड़ा बाजार बन गई है जिसे देखकर ऐसा लगता है मानो इसे नगर निगम ने व्यवस्थित तरीके से बनवाया हो।

ऐसा नहीं है आईओसी के अधिकारी इस अतिक्रमण से नावाकिफ हैं लेकिन जिम्मेदार मात्र पत्राचार कर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर रहे हैं। प्रश्न यह उठता है जिस पेट्रोल लाइन की भूमि पर किसी भी प्रकार के कच्चे पक्के निर्माण की मनाही है, वहां पर कहीं टट्टर तो कहीं लकड़ी की गुमटी और कहीं-कहीं तो लोहे की गुमटी आदि लगाकर स्थाई कब्जों की व्यवस्था किसकी कृपा से हो रही है। इसी भूमि पर बड़ी संख्या में नाश्ता, फास्ट फूड, चाय आदि की सजी दुकानें उन जिम्मेदारों के प्रयासों की कलई खोल रही हैं

जिन पर इस प्रकार के अतिक्रमण को रोकने की जिम्मेदारी है। अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ के परिगमन वाली इस पाइपलाइन में ऊपर की भूमि पर जगह-जगह स्टोव, गैस भट्ठी आदि का दैनिक उपयोग इस पाइपलाइन की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है फिर भी इस तरह की

दुकानों की संख्या पेट्रोल पाइपलाइन क्षेत्र में कैसे लगातार बढ़ती जा रही है? यह विचारणीय प्रश्न है।

> कानपुर में कुछ क्षेत्रों के थानों को पत्र लिखकर अभियान के दौरान सुरक्षा मांगी गई है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया है पत्र को अप्रूवल के लिए उच्च अधिकारियों को भेज दिया है। नगर निगम के संसाधनों की आवश्यकता नहीं है?। हमें अपने विभागीय ठेकेदारों के माध्यम से अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक्स मिल जाएंगे।
>
> **रतन लाल कुमावत**
> **मुख्य प्रचालन प्रबंधक - पूर्वी क्षेत्र पाइपलाइन**

मध्य सितंबर अतिक्रमण हटाने को मांगी पुलिस सहायता

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की ओर से कानपुर के तीन चार क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने के लिए 18 सितंबर को पत्र लिखकर पुलिस से सहायता मांगी गई है। मुख्य प्रचालन प्रबंधक, पूर्वी क्षेत्र, रतनलाल कुमावत ने स्वराज इंडिया प्रतिनिधि को बताया कि जिन थाना प्रभारी को पत्र लिखा गया उनसे आश्वासन मिला है कि पत्र को अप्रूवल के लिए उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया।

सूत्रों का कहना है इस प्रकार का पत्राचार मई महीने में भी हो चुका है लेकिन अभी तक अतिक्रमण अभियान के लिए पुलिस की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाई है।

अतिक्रमण हटाने को नहीं नगर निगम के सहयोग की दरकार

पूर्व में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम के प्रवर्तन दस्ते का सशुल्क सहयोग लेता रहा है। लेकिन इस बार मुख्य प्रचालन प्रबंधक ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम का सपोर्ट लेने के स्थान पर अपने विभागीय ठेकेदारों के माध्यम से अभियान के लिए आवश्यक मशीनरी, वाहन आदि की सहायता से स्वयं आईओसी इस अभियान को चलाएगी।

स्थानीय थानों से पत्राचार समझ से परे

इंडियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस के उच्च अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के स्थान पर स्थानीय थानों को पत्र लिखने का औचित्य समझ से परे है। साधारणतया विभाग अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस के उच्च अधिकारियों से संपर्क कर समन्वय स्थापित करते हैं क्योंकि इस तरह के अभियान के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की आवश्यकता पड़ सकती है। जिस पर निर्णय लेना स्थानीय थाना प्रभारी के स्तर पर संभव नहीं है।

कानपुर शहर से होकर गुजरी पेट्रोल लाइन के ऊपर बना दी गई अवैध मार्केट

लापरवाही से हैदराबाद में हो चुका है दर्दनाक हादसा

27 जून 2014 को आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के नागरम गांव से होकर गुजर रही गेल की गैस पाइपलाइन में सुबह सवेरे पांच बजे के आसपास तेज विस्फोट के साथ लगी आग ने 17 लोगों की जिंदगी छीन ली थी और लगभग 20 लोग बुरी तरह झुलस कर घायल हुए थे। पूरा का पूरा गांव इस आग की चपेट में आ गया था। गैस की लीकेज और इसी जगह अतिक्रमण किए एक चाय वाले द्वारा गैस चूल्हा जलाने के चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ था।

पेट्रोल लाइन में अतिक्रमण व छेड़छाड़ के लिए कानून में है कड़े दंड का प्रावधान

पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम 1962 के तहत सरकार को पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि के उपयोग का तो अधिकार मिलता है लेकिन पूर्ण स्वामित्व नहीं मिलता। तत्कालीन परिस्थितियों में बरौनी से कानपुर तक यह पेट्रोल लाइन शहरी क्षेत्र से काफी दूर निर्जन स्थान, खेतों और कहीं-कहीं ग्रामीण क्षेत्र के निकट से गुजरती हुई पनकी टर्मिनल तक पहुंचाई गई। 6 दशक बाद शहर के फैलाव और गांव की सिकुड़न के फलस्वरुप आज यह पेट्रोल लाइन कमोवेश शहरी क्षेत्र में आ गई है। अधिनियम में पेट्रोल लाइन को क्षति पहुंचाने इसकी सुरक्षा को बाधित करने को लेकर कड़े दंड का प्रावधान है। इस अधिनियम में जमीन के मालिक को उपयोग का पूर्ण अधिकार तो मिलता है लेकिन स्थाई ढांचा निर्माण पूर्णतः निषेध है। पेट्रोल लाइन क्षेत्र में आदतन अतिक्रमण करने पर आईपीसी की धारा 447 के तहत भी कार्यवाही का प्रावधान है जिसके अंतर्गत आरोपी को तीन माह तक की सजा या पांच सौ रुपए जुर्माना लगाकर दंडित किया जा सकता है। पुनरावृत्ति होने पर सजा तीन वर्ष से दस वर्ष तक हो सकती है। वर्ष 2023 में लागू बीएनएस की धारा 329(3), आईपीसी की धारा 447 के समकक्ष है, बस अंतर यह है कि जुर्माना बढ़ाकर पांच हजार रुपए कर दिया गया है।

कानपुर देहात :गरीब बेटियों की शादियों के लिए 'कल्याण मंडप' बनेगा सहारा

» मात्र 11 हजार रुपये में मिलेगा भव्य विवाह स्थल

» सवा तीन करोड़ की लागत से तैयार, जनता को बड़ी सौगात

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। नगर पंचायत रनिया में रविवार को प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री एवं सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला ने सवा तीन करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भव्य कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों के लिए लगातार काम कर रही है।

रनिया में बना यह कल्याण मंडप गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए वरदान साबित होगा, जहाँ अब गरीब बेटियों की शादी मात्र 11 हजार रुपये शुल्क पर की जा सकेगी।उन्होंने कहा कि यह मंडपम समाज के हर वर्ग को समान सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अब लोगों को शादी-ब्याह के लिए महंगे स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं होगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प को मजबूत करने वाली यह पहल समाजहित में मील का पत्थर है।इस अवसर पर चैयरमैन विटान दिवाकर, अधिशासी अधिकारी मनीष राय, प्रतिनिधि रामकिशोर दिवाकर समेत क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति प्रमाणपत्र पाकर बच्चों के खिले चेहरे

» सरवनखेड़ा इंटर कॉलेज में हुआ भव्य वितरण समारोह

» मंत्री प्रतिभा शुक्ला और सीडीओ लक्ष्मी एन ने दिए प्रेरणादाई संदेश

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।सरवनखेड़ा स्थित बिंदा सिंह कृष्णा देवी इंटर कॉलेज में रविवार को छात्रवृत्ति स्वीकृत प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा शुक्ला और मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन मौजूद रहीं। इस मौके पर समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह और अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग अधिकारी नेहा सिंह ने भी शिरकत की।मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किए और उन्हें मिशन शक्ति, नारी शक्ति और शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायी संबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि गरीब व जरूरतमंद छात्रों के लिए यह छात्रवृत्ति वरदान साबित होगी, इसलिए छात्र-छात्राएं इसका सही उपयोग करें और अपनी पढ़ाई को मजबूत बनाएं।सीडीओ लक्ष्मी एन ने भी छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा,शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार है जिसके बल पर हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। शिक्षा न चोरी हो सकती है और न बंटी जा सकती है। इसलिए सही शिक्षा ग्रहण करें और अपने सपनों को पूरा करें।इस अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि जनपद का एकमात्र विद्यालय बिंदा सिंह कृष्णा देवी इंटर कॉलेज है, जहाँ प्रथम चरण में सर्वाधिक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसी कारण यह कार्यक्रम यहां आयोजित किया गया।प्रधानाचार्य राजकिशोर सिंह परिहार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बच्चों को प्रोत्साहित किया। विद्यालय की बच्चियों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को मनमोहक बना दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश

» एसपी श्रद्धा पांडेय और सीडीओ लक्ष्मी एन की मौजूदगी में महिला सशक्तिकरण का संदेश

» पेंटिंग, स्पीच, सेल्फ-डिफेंस और पैदल गश्त से छात्राओं ने दिखाई शक्ति और हुनर

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पुलिस लाइन, कानपुर देहात में रविवार को महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय और मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्राओं और स्थानीय नागरिकों में नई ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम की शुरुआत चित्रकला प्रतियोगिता से हुई, जहाँ बच्चों ने नारी सशक्तिकरण और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता पेश की। इसके बाद आयोजित सेल्फ-डिफेंस वर्कशॉप में छात्राओं ने आत्मरक्षा की तकनीकें सीखीं और आत्मविश्वास से भर गईं। महिला सशक्तिकरण- चुनौतियां और समाधान विषय पर हुई स्पीच प्रतियोगिता ने छात्राओं की वाक्पटुता और विचारशीलता को सामने रखा।

सांस्कृतिक माहौल को और जीवंत बनाया रंगोली और संगीत प्रतियोगिता ने, जिनमें महिला शक्ति और सुरक्षा के संदेश रंगों और सुरों में पिरोए गए। कार्यक्रम के अंत में हुई संयुक्त पैदल गश्त ने समाज को यह स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाओं की सुरक्षा सबकी जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

चित्रकला, स्पीच और अन्य प्रतियोगिताओं में अव्वल आने वाले बच्चों को एसपी और सीडीओ ने प्रमाणपत्र व पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। वहीं, सेल्फ-डिफेंस वर्कशॉप में शालिनी और अवनी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।पुलिस अधीक्षक श्रद्धा पांडेय ने कहा कि मिशन शक्ति और वामा सारथी जैसे अभियान महिला सशक्तिकरण को नई दिशा और समाज में सुरक्षा का विश्वास दिला रहे हैं। कानपुर देहात को सुरक्षित और संवेदनशील जनपद बनाने के लिए यह पहल बेहद महत्वपूर्ण है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

चोरों का आतंक: महिला को बेहोश कर तीन लाख की चोरी

» 6 महीने में दर्जनभर से ज्यादा चोरियां, गजनेर क्षेत्र में आतंक जारी

»घर में घुसे बदमाश, अकेली महिला से मारपीट कर अलमारी-बक्से खंगाले

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।गजनेर थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरवन खेड़ा गांव में गुरुवार की शाम मुंह बांधे बदमाशों ने घर में घुसकर अकेली महिला को बेहोश कर दिया और अलमारी-बक्से तोड़कर करीब तीन लाख रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए।जानकारी के मुताबिक, पीड़ित परिवार खेत पर गया हुआ था और घर में अकेली उमाशंकर की पत्नी बंदना मौजूद थी।

शाम छह बजे दो चोर बगल के दरवाजे से अंदर घुसे और बंदना का मुंह दबाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद अलमारी की चाबी निकालकर जेवरात समेट लिए। जब पति उमाशंकर घर पहुँचे तो पत्नी को जमीन पर बेहोश पाया। निजी अस्पताल में होश आने पर महिला ने पूरी घटना बताई।पीड़ित परिवार ने बताया कि चोर सोने का हार, चैन, अंगूठी, पायल, बिछिया, टॉप्स और अन्य आभूषण ले गए, जिनकी कीमत लगभग तीन लाख रुपये है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू की।थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने कहा कि घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है, फिलहाल मामले की गहन जांच की जा रही है।

रनियां के पास हाइवे बना 'डेथ प्वाइंट'

सड़क हादसे में घायल की मौत, शव रखकर परिजनों ने किया हंगामा

» कानपुर-इटावा लेन पर ट्रैक्टर में डीसीएम की टक्कर से छह लोग हुए थे घायल

» हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान अवधेश ने तोड़ा दम, पुलिस समझा-बुझाकर शांत कराया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां उमरन तिराहे पर बीते शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में घायल युवक अवधेश की रविवार को कानपुर के हैलट अस्पताल में मौत हो गई।

इसके बाद परिजन शव लेकर पोस्टमार्टम के बाद रनियां थाने के सामने पहुंचे और हाईवे पर रखकर हंगामा करने लगे। हालांकि पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शव घर ले जाया गया। शुक्रवार को ट्रैक्टर में सवार बलराम, जयदीप, करन, शेरू और अवधेश समेत छह लोग कानपुर-इटावा लेन से गुजर रहे थे।

तभी पीछे से आ रही डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर पलट गया और सभी सवार घायल हो गए। अवधेश की हालत गंभीर थी, इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।इंस्पेक्टर रनियां एस.एन. सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर हादसे वाले दिन ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। परिजन शव रखकर हंगामा करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया गया।

कानपुर- नमाज के बाद शांति भंग की कोशिश करने का आरोपी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के रेल बाजार थाना क्षेत्र में जुमे की नमाज के तुरंत बाद नमाजियों को भड़काऊ ऑडियो क्लिप सुनाकर शांति भंग करने की कोशिश करने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जुबैर अहमद खान उर्फ जुबैर गाजी (46) निवासी चंदारी, सुजातगंज के रूप में हुई है। कानपुर पूर्वी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि रेलबाजार पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी जुबैर के साथ 20-25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी दर्ज कराने वाले सुजातगंज पुलिस चौकी प्रभारी राज मोहन मिश्रा के मुताबिक उन्होंने जुबैर खान उर्फ जुबैर गाजी को मदार होटल चौराहे के पास भड़काऊ क्लिप दिखाते हुए देखा था, जिसका उद्देश्य लोगों को सरकार और प्रशासन के खिलाफ भड़काना था।

पुलिस के अनुसार इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 189(2), (गैरकानूनी जमावड़ा करना) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि यह घटना अजमेरी मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज़ के तुरंत बाद हुई, जिससे कुछ नमाजियों में गुस्सा भड़क गया और मौके पर भीड़ जमा हो गई। डीसीपी ने बताया कि घटना का संज्ञान लेते हुए, पुलिस की टीम तुरंत वहां पहुंचीं और उन्होंने लाउडस्पीकर से घोषणाओं के जरिए लोगों से अपील की और भीड़ को नियंत्रण से बाहर होने से पहले ही तितर-बितर कर दिया। उन्होंने कहा, अगर समय पर कार्रवाई नहीं की जाती तो स्थिति बिगड़ सकती थी।

उन्होंने कहा कि विधिक प्रक्रिया पूरी करके मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य की पहचान करके उनकी जल्द से जल्द गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) आशुतोष ने बताया कि पूरे जिले में पुलिस सतर्कता बरत रही है।

बरेली में लाठीचार्ज के बाद तनाव के हालात

» स्वराज इंडिया की टीम ने की ज़मीनी पड़ताल

» चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा, लोग खामोश घटनास्थल पर अब भी सन्नाटा

» स्वराज इंडिया डिजिटल की टीम पहुँची मौके पर, स्थानीय हालात और गवाहियों की विशेष रिपोर्ट

(ग्राउंड जीरो रिपोर्ट)

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

बरेली। शहर में बीते दिनों हुए लाठीचार्ज की घटना के बाद अब भी तनावपूर्ण शांति का माहौल कायम है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस का सख़्त पहरा है और स्थानीय लोग खामोश हैं। किसी भी नागरिक ने खुले तौर पर कुछ कहने से परहेज़ किया।

दैनिक स्वराज इंडिया डिजिटल की विशेष टीम ने घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लिया। यही वह स्थान है जहाँ तीन दिन पूर्व जुमे की नमाज़ के बाद हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भीड़ आमने-सामने आ गए थे। हालात बिगड़ने पर लाठीचार्ज हुआ और इसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए थे।इस मौके पर दैनिक स्वराज इंडिया के विशेष संवाददाता शिवांक अग्निहोत्री के साथ फर्रुखाबाद जिले से पत्रकार जय जवान जय किसान लोक शक्ति संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संदीप शर्मा उर्फ हनुमान दास और वीडियो जर्नलिस्ट रोहित शर्मा मौजूद रहे।

टीम ने न केवल घटनास्थल का जायजा लिया बल्कि स्थानीय माहौल और नागरिकों की मौजूदा स्थिति को भी करीब से समझने का प्रयास किया।बरेली में वर्तमान हालात भले ही नियंत्रित दिख रहे हों, लेकिन शहर में तनाव की खामोशी साफ झलक रही है।

छात्रवृत्ति घोटाले में फंसी अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को हाईकोर्ट से मिली राहत

3 करोड़ रुपए घोटाले के मामले में कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सहारनपुर।मेरठ में तैनाती के दौरान हुए बहुचर्चित छात्रवृत्ति घोटाले मामले में सहारनपुर की अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुमन गौतम को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए ट्रायल पूरा होने तक अग्रिम जमानत मंजूर कर दी है।

वर्ष 2010-11 में केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक छात्रों को छात्रवृत्ति बांटने के लिए लगभग 3 करोड़ रुपये जारी किए थे। उस समय मेरठ में पदस्थापित अधिकारी सुमन गौतम पर आरोप है कि मदरसा प्रबंधकों और सहायक कर्मचारियों के साथ मिलकर फर्जी वितरण दिखाकर धनराशि गबन की गई।2013 से 2019 के बीच इस प्रकरण में 99 एफआईआर दर्ज की गईं। हालांकि अब तक न तो किसी छात्र और न ही किसी अभिभावक ने छात्रवृत्ति न मिलने की शिकायत की

है।हाईकोर्ट ने साफ किया कि जमानत पूर्व की शर्तों के साथ लागू रहेगी और ट्रायल की सुनवाई तक सुमन गौतम को गिरफ्तारी से सुरक्षा दी जाएगी।

कोर्ट की दलीलें पढ़िए

एफआईआर घटना के आठ साल बाद दर्ज हुई।

जांच के बाद आरोपपत्र दाखिल हो चुका है।

याची (सुमन गौतम) जांच में सहयोग कर रही हैं और विभागीय कार्रवाई में दोषमुक्त भी पाई गई हैं।

ऐसे में गिरफ्तारी की आवश्यकता नहीं है।

सुरक्षित बेटियां ही सशक्त अयोध्या की पहचान -आशा शुक्ला एसएचओ

» मिशन शक्ति 5.0 पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला से स्वराज इंडिया की विशेष बातचीत

» समीर शाही/स्वराज इंडिया

अयोध्या।रामनगरी जहां भव्य राम मंदिर निर्माण से दुनिया का ध्यान खींच रही है, वहीं यहां की बेटियां भी अब नई पहचान गढ़ रही हैं आत्मविश्वास, सुरक्षा और सशक्तिकरण की पहचान। इसका श्रेय जाता है मिशन शक्ति 5.0 को, जिसकी कमान संभाल रही हैं महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला। उनके नेतृत्व में यह अभियान कागज़ी औपचारिकता से आगे बढ़कर समाज में सकारात्मक बदलाव की चिंगारी बन चुका है। लेकिन इस बदलाव के पीछे अकेली उनकी मेहनत ही नहीं, बल्कि पूरा पुलिस महकमा खड़ा है।

आशा शुक्ला खुलकर मानती हैं कि यह सब संभव हुआ है एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के दूरदर्शी विजन, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की पैनी निगाह और सीओ नगर शैलेन्द्र सिंह की जमीनी सक्रियता के कारण।

स्वराज इंडिया के ब्यूरो चीफ से खास बातचीत में आशा शुक्ला ने बताया कि कैसे मिशन शक्ति ने अयोध्या की बेटियों को डर से आज़ादी और आत्मविश्वास की उड़ान दी।

प्रश्न-मिशन शक्ति 5.0 को अयोध्या में किस तरह से आगे बढ़ाया जा रहा है?

आशा शुक्ला - मिशन शक्ति हमारे लिए केवल एक अभियान नहीं है, बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने की चिंगारी है। हम विद्यालयों और कॉलेजों में जाकर छात्राओं से सीधा संवाद कर रहे हैं, उन्हें हेल्पलाइन और कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर बेटी खुद को सुरक्षित महसूस करे और यह विश्वास रखे कि पुलिस उसके साथ खड़ी है।

प्रश्न-इस मिशन की दिशा तय करने में आपके वरिष्ठ अधिकारियों की क्या भूमिका रही?

आशा शुक्ला हमारी सबसे बड़ी ताकत है एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर का विजन। उन्होंने शुरुआत में ही हमें स्पष्ट किया कि यह अभियान औपचारिकता नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन बनेगा। उनका मार्गदर्शन ही हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि

सुरक्षा केवल चौकसी से नहीं, बल्कि जागरूकता और आत्मविश्वास से आती है।

प्रश्न-एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की भूमिका को आप कैसे देखती हैं?

आशा शुक्ला -चक्रपाणि सर हर कदम पर सतर्क रहते हैं। उनकी पैनी निगाह और हर छोटी शिकायत को गंभीरता से लेने की आदत बेटियों को यह भरोसा दिलाती है कि उनकी आवाज तुरंत सुनी जाएगी। वे न केवल सख्त अधिकारी हैं बल्कि छात्राओं के बीच जाकर उन्हें मार्गदर्शन और प्रेरणा भी देते हैं।

प्रश्न-सीओ नगर शैलेन्द्र सिंह किस तरह योगदान दे रहे हैं?

आशा शुक्ला -शैलेन्द्र सर की सक्रियता हमारे अभियान को जमीनी रूप देती है। नुक्कड़ नाटक, आत्मरक्षा प्रशिक्षण या स्कूल-कॉलेजों में संवाद हर जगह उनकी मौजूदगी मिशन को जीवंत बनाती है। यह उनकी ही लगन है कि मिशन शक्ति कागजों से निकलकर हकीकत की शक्ल ले रहा है।

प्रश्न -आपको सबसे बड़ी संतुष्टि कब मिलती है?

आशा शुक्ला – जब स्कूल की कोई बच्ची कहती है कि अब वह पुलिस को देखकर डरती नहीं, बल्कि सहारा मानती है, तो लगता है कि मेहनत रंग ला रही है। आज बेटियों के चेहरे पर जो आत्मविश्वास है, वही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।आशा शुक्ला मानती हैं एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर का विजन, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की सतर्कता और सीओ शैलेन्द्र सिंह की सक्रियता ही मिशन शक्ति 5.0 को अयोध्या में सफलता की ऊँचाई तक ले जा रहे हैं। हम सबका सपना है कि हर बेटी सुरक्षित महसूस करे और सशक्त अयोध्या की पहचान बने।

श्री परमहंस महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुनील तिवारी सम्मानित

स्वराज इंडिया न्यूज़ यूरो

अयोध्या। श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार तिवारी को उनके शोध कार्यों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली धनकिया (जयपुर) में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख अरुण जैन ने संयुक्त रूप से प्रदान किया।

डॉ. तिवारी ने पीएचडी शोध के दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचारों पर गहन अध्ययन किया। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि दीनदयाल जी सादा जीवन, उच्च विचार और दृढ़ संकल्प के धनी थे। वे पूंजी और सत्ता के विकेंद्रीकरण तथा सामाजिक समानता के पक्षधर थे। उन्होंने स्वदेशी और लघु उद्योग को भारत की आर्थिक योजना का आधार माना और राजनीति को जनसेवा का माध्यम बताया। डॉ. तिवारी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय संस्कृति, अंत्योदय और राष्ट्रवाद की विचारधारा से भारत को विश्वगुरु बनाने के पक्षधर थे।

अयोध्या में विधायक बनाम एसडीएम

» आरोप-प्रत्यारोप की जंग अब शासन के दरबार तक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी के रुदौली क्षेत्र में विधायक और एसडीएम के बीच छिड़ा टकराव अब खुले संघर्ष का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेशों की अनदेखी, बाढ़ राहत कार्य में लापरवाही, विधायक रामचंद्र यादव का अपमान, यहाँ तक कि तहसील दिवस पर विधायक की कुर्सी और नेमप्लेट हटवाने जैसे गंभीर आरोपों ने एसडीएम विकास धर को कटघरे में खड़ा कर दिया है। शासन ने भी इसे गंभीरता से लेते हुए नियम-3 और प्रोटोकॉल आदेशों के उल्लंघन का संज्ञान लिया और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

बीजेपी विधायक रामचंद्र यादव

विधायक के आरोप - रुदौली विधायक रामचंद्र यादव का कहना है कि बाढ़ पीड़ितों की मदद में एसडीएम ने देरी और लापरवाही की। तहसील दिवस पर विधायक की कुर्सी और नेमप्लेट हटवाकर उनका अपमान किया गया।मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेशों की भी धज्जियाँ उड़ाई गईं।विधायक का आरोप है कि यह सब जनता की समस्याओं की अनदेखी और अहंकार की राजनीति का नतीजा है।

एसडीएम का पलटवार -सच के साथ खड़ा रहा हूँ

आरोपों की झड़ी लगने के बाद अब एसडीएम विकास धर ने चुप्पी तोड़ दी है। मैंने हमेशा शोषित, वंचित, पीड़ित और सच के साथ खड़े रहने का काम किया है। मुझ पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं, मैं पूरी तरह निष्पक्ष जांच के लिए तैयार हूँ। उन्होंने शासन से मांग की कि जांच किसी दूसरी विधानसभा के विधायक और वरिष्ठ अधिकारियों से कराई जाए।साथ ही चेतावनी भी दी कि अगर आरोप झूठे साबित हुए तो उनकी छवि धूमिल करने वालों पर भी कार्रवाई हो।

राशन बांटते बीजेपी विधायक रामचंद्र यादव

बता दे कि शासन ने नियम-3 और प्रोटोकॉल आदेशों के उल्लंघन के आधार पर एसडीएम से जवाब तलब किया है। सात दिन के भीतर जवाब देना अनिवार्य है, वरना विभागीय कार्रवाई तय मानी जा रही है। अगर जांच में विधायक की शिकायतें सही साबित हुईं तो एसडीएम को कड़ी सजा मिल सकती है। वहीं, अगर आरोप निराधार साबित हुए तो मानहानि और अनुशासनात्मक कार्रवाई विधायक खेमे पर भारी पड़ सकती है।गौरतलब हो कि यह विवाद अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा।भाजपा विधायक का आरोप सीधे मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना से जुड़ा है, ऐसे में मामला सत्तारूढ़ दल के भीतर भी हलचल मचा रहा है।दूसरी ओर, एसडीएम का पलटवार अफसरशाही की एकजुटता को उभार सकता है। विवाद का सबसे बड़ा नुकसान जनता को हो रहा है।

बाढ़ पीड़ित अब भी मुआवजा और राहत के इंतजार में हैं।राजनीतिक और प्रशासनिक रार ने राहत कार्य को हाशिये पर धकेल दिया है।रुदौली के इस विवाद ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है क्या अफसरशाही और जनप्रतिनिधि के बीच टकराव में जनता हमेशा बलि का बकरा बनती है? एसडीएम विकास धर का पलटवार इस संघर्ष को नया मोड़ दे रहा है। अब आने वाली जांच तय करेगी कि सच किसके पाले में है सत्ता के प्रतिनिधि के या सिस्टम के प्रहरी के।

मौलाना तौकीर रजा का खास सहयोगी नदीम भी गिरफ्तार

बरेली बवाल के आरोप में था वांछित, इंटरनेट कल 12 बजे तक बंद

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली। यूपी की बरेली पुलिस ने सोमवार को इत्तेहाद-ए-मिल्लत परिषद के अध्यक्ष तौकीर रजा के एक करीबी सहयोगी को शाहजहांपुर से गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर शहर में इंटरनेट सेवा कल रात 12 बजे तक के लिए बंद रहेगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यहां चल रहे आई लव मोहम्मद अभियान के दौरान शुक्रवार को भड़की हिंसा के सिलसिले में नदीम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि नदीम को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना अचानक नहीं घटी, बल्कि पूर्व नियोजित थी। बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद अलग-अलग इलाकों में आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर बैनर लेकर मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे।

इस दौरान खलील स्कूल के पास कुछ शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ की और पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए लाठियों का इस्तेमाल किया। बाद में मामले में मौलाना तौकीर रजा समेत कई लोगों को इस उपद्रव के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

इस बीच अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच से पता चला है कि नदीम ने कथित तौर पर इन घटनाओं की योजना बनाई और उसने व्हाट्सएप के जरिए 55 चुनिंदा लोगों को कॉल किया और उन लोगों ने फिर लगभग 1,600 लोगों की भीड़ जुटाई।

अधिकारी ने आगे कहा, हिंसा के पीछे की साजिश कथित तौर पर सीएए और एनआरसी विरोधी प्रदर्शनों की तर्ज पर रची गई थी, जिसमें नाबालिगों को भीड़ में सबसे आगे रखने की योजना थी। अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि नदीम ने शुक्रवार की नमाज के बाद खान द्वारा प्रस्तावित प्रदर्शन के बारे में शुरू में अधिकारियों को गुमराह किया था। गुरुवार रात, वह कथित तौर पर अपने साथियों नफीस और लियाकत के साथ पुलिस के पास गया और उन्हें आश्वासन दिया कि शुक्रवार को कोई प्रदर्शन नहीं होगा। पुलिस के अनुसार, हिंसा भड़काने, दंगा करने, पथराव करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसे अपराधों से संबंधित धाराओं के तहत मौलाना तौकीर रजा समेत 180 नामजद और 2,500 अज्ञात दंगाइयों के खिलाफ 10 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

एक्टिव हुए आजम खान, घर पर समर्थकों की भीड़

जौहर विवि पहुंचकर छात्रों से की मुलाकात

» पार्टी पदाधिकारियों ने लिया हालचाल और मार्गदर्शन।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां दिल्ली से इलाज कराकर रामपुर लौट आए हैं। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद पिछले तीन दिनों तक वह दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे। कल रात वह अपने घर रामपुर पहुंचे।

इसके बाद उनके घर पर समर्थकों और पार्टी पदाधिकारियों का तांता लग गया। आजम खां ने रिहाई के बाद सोमवार को पहली बार जौहर यूनिवर्सिटी का दौरा किया। यहां उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उन्हें सियासी, सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन भी दिया।

इसके अलावा वह मेडिकल कालेज भी पहुंचे और वहां स्वास्थ्य सेवाओं व छात्रों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। रामपुर में आजम खां के घर पर लगातार समर्थकों का आना-जाना जारी है। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताने वालों ने भी उन्हें देखने के लिए घर पहुंचना शुरू कर दिया है।

समर्थकों ने घर के बाहर स्वागत कर उनका हौसला बढ़ाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान जनता और युवाओं के भविष्य की समस्याओं को समझने और हल करने पर रहेगा। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उनकी चर्चा में आगामी योजनाओं और सामाजिक गतिविधियों को लेकर रणनीति बनाई गई।

मंदिरों के पास गैर हिंदू प्रसाद बेचे तो उसकी पिटाई कर सकते हो करो

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर का एक बयान सुर्खियों में है। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में मंदिरों के पास प्रसाद बेचने वालों पर नजर रखने को कहा है। कहा कि अगर कोई गैर हिंदू प्रसाद बेचता दिखे तो उसकी जितनी पिटाई कर सकते हो पिटाई करो फिर शासन के हवाले करो।

भोपाल की पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने रविवार को अपने एक बयान से विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने भोपाल में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक कार्यक्रम में हिंदू श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे ग्रुप बनाकर जांच करें कि मंदिरों के आसपास कौन प्रसाद बेच रहा है। अगर प्रसाद बेचने वाला हिंदू नहीं हैं तो उसके खिलाफ कार्रवाई करें।

प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि अगर आपको कोई गैर-हिंदू प्रसाद बेचता हुआ मिले तो उसकी जितनी पिटाई कर सकते हो करो और फिर शासन के हवाले कर दो। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धालुओं को गैर-हिंदू विक्रेताओं से प्रसाद खरीदने से मना कर देना चाहिए और उन्हें इसे बेचने या मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

उन्होंने घरों को हथियारबंद करने की बात दोहराते हुए कहा कि हां, मैंने कहा था कि आपको अपने घरों में हथियार रखने चाहिए।

सोलंकी को गैंगस्टर केस में जमानत, बंग्लादेशी नागरिक मामले में नोटिस

आसमान से गिरे खजूर में अटके, सपा के पूर्व विधायक की बढ़ी मुश्किलें

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

कानपुर। यूपी के कानपुर से सपा विधायक रहे इरफान सोलंकी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पिछले हफ्ते ही उन्हें गैंगस्टर मामले में जमानत मिली थी। उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया था। अब ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने वित्तीय अनियमितताओं और बंग्लादेशी नागरिक को आश्रय देने के मामले में इरफान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच एजेंसी ने इरफान सोलंकी और उनके सहयोगियों को सोमवार को लखनऊ कार्यालय में पेश होने के निर्देश दिए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने अपने नोटिस में पांच अन्य प्रमुख लोगों को भी शामिल किया है। जो पहले इस मामले में नामित हो चुके हैं। इरफान सोलंकी पर भारतीय पहचान पत्र और आधार कार्ड बनवाने में मदद करने के आरोप हैं। इसके साथ ही संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के भी आरोप लगाए गए है। जांच एजेंसी ईडी ने इन निष्कर्षों के आधार पर सभी व्यक्तियों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया है।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने पिछले वर्ष मार्च 2024 में इरफान सोलंकी के पांच ठिकानों पर छापेमारी की थी। जिसमें टीम के हाथ अहम दस्तावेज लगे थे। इसके साथ ही इरफान सोलंकी की लगभग 30 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। ईडी की नोटिस में पूर्व पार्षद मन्नू रहमान का भी नाम शामिल है। मन्नू रहमान ने अपने लेटर हेड लिखकर दिया था कि बंग्लादेशी नागरिक रिजवान भारतीय नागरिक है। पुलिस ने मन्नू रहमान को भी आरोपी बनाया था।

पूर्व पार्षद मन्नू रहमान जेल में बंद है। पिछले नगर निगम चुनाव में उनके ही परिवार का एक सदस्य चुनाव जीतकर पार्षद बना था। ईडी की टीम ने इरफान सोलंकी से जुड़ी एक कंपनी के बिल्डर हाजी वसी को भी तलब किया है। ईडी ने जितने भी लोगों को बुलाया है। उनसे पूछताछ करेगी। इसके लिए जांच में टीम ने स्थानीय पुलिस से भी संपर्क कर जानकारी जुटाई थी।